हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 12 अंक 17 कांगड़ा। शनिवार, 27 जून -03 जुलाई, 2026 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 13 आषाढ़, विक्रमी संवत् 2083 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

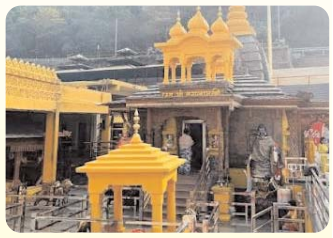

ये हैं बगलामुखी माता के पावन धाम

-पढ़ें पेज 4

डॉ. राजेश ने छात्रों को दिया उच्च लक्ष्य निर्धारित करने का मंत्र, शिक्षा में सुधार और सर्वांगीण विकास पर जोर

❖ रोहडू क्षेत्र का किया दौरा, जमीनी स्तर पर लिया स्कूलों की स्थिति का जायजा

■ अमित महाजन/रोहडू (शिमला)

हिमाचल प्रदेश में शिक्षा के स्तर को और अधिक प्रभावी, आधुनिक तथा छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने रोहडू क्षेत्र का एक अहम दौरा किया। अपने इस प्रवास के दौरान उन्होंने न केवल जमीनी स्तर पर स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया, बल्कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने का खाका भी खींचा।

केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं

अपने दौरे की शुरुआत करते हुए डॉ. शर्मा रोहडू स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बालक) और आराधना पब्लिक स्कूल पहुंचे। दोनों विद्यालयों की प्रात:कालीन सभा में शामिल होकर उन्होंने बच्चों में नई ऊर्जा का संचार किया। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष ने छात्रों को प्रेरित करते हुए जीवन में अनुशासन, कड़ी मेहनत और हमेशा उच्च लक्ष्य तय करने की सीख दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल किताबी ज्ञान काफी नहीं है, सकारात्मक सोच, उच्च नैतिक मूल्य और खेलकूद जैसी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भागीदारी ही असली कुंजी है।

गुणवत्ता सुधार के लिए शिक्षकों से मंथन

छात्रों का उत्साहवर्धन करने के उपरांत डॉ. शर्मा ने स्कूल के शिक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और विद्यार्थियों के समग्र विकास को लेकर गहन मंथन किया गया। उन्होंने शिक्षकों से बोर्ड की कार्यप्रणाली पर सीधे सुझाव लिए और उनकी जमीनी समस्याओं को सुना।

डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि स्कूलों से मिलने वाला यह व्यावहारिक फीडबैक ही परीक्षा प्रणाली और शिक्षा व्यवस्था में बोर्ड स्तर पर बड़े एवं सकारात्मक बदलाव लाने का मुख्य आधार बनेगा।